Shipping Company, Delhi Office is facing serious difficulties, as some of its members are being vitimised and pressurised in various ways to give up their association with the Union; and

(b) if so, the action taken by Government in this regard?

The Minister of Labour, Employment and Rehabilitation (Shri Jagjivan Ram): (a) The union has not made such complaint to the Labour Commissioner, Delhi.

(b) Does not arise.

साम्यवादियों द्वारा विदेशों से प्राप्त की गई सहायता

5250. **श्रीमती जोहराबेन चावड़ा** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कलकत्ता में बैंक ग्राफ चाइना के बन्द किये जाने के पश्चात् भी भारत के साम्यवादी विदेशों से ग्राथिक सहायता प्राप्त करते रहे हैं ;

(ख) यदि हां, तो सरकार के ग्रनुमान के ग्रनुसार इस सहायता की ग्रनुमानित राशि क्या है ; ग्रौर

(ग) इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गई है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मन्त्री तथा प्रतिरक्षा मन्त्रालय में प्रतिरक्षा सम्भरण मन्त्री (श्री हाथी) : (क) से (ग). इस सूचना को सदन में बताना जनहित की दृष्टि से ठीक नही होगा ।

सरकारी सेवा में सजा याफ्ता लोग

5251. **श्रीमती जोहराबेन चावड़ा** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या किसी ऐसे व्यक्ति को सरकारी सेवा में लिया जा सकता है जिसे मृत्यु दण्ड दिया गया था ; ग्रौर

(ख) यदि हां, तो इस समय ऐसे कितने व्यक्ति सरकारी सेवा में हैं ?

गृह-कार्य मन्त्रालय में उपमंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) इस सम्बन्ध में कोई विशिष्ट ग्रनुदेश जारी नहीं किये गये हैं । ऐसे प्रत्येक मामले पर उसकी स्थिति के ग्रनुसार विचार किया जाता है ।

(ख) सूचना ग्रभी उपलब्ध नहीं है ।

बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय

5252. **श्री हुकम चन्द कछवाय** :
श्री ग्रोंकार लाल बेरवा :
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री बड़े :

क्या शिक्षा मंत्री 2 मार्च, 1966 के तारांकित प्रश्न संख्या 306 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय का नाम बदलने के प्रस्ताव के विरोध में सरकार को प्राप्त हुए विरोध पत्रों की मुख्य बातें क्या हैं ; ग्रौर

(ख) उनके बारे में क्या निर्णय किया गया है ?

शिक्षा मंत्री (श्री मु० क० चागला) : (क) विरोध-पत्रों की मुख्य बातें इस प्रकार है :—

(1) विश्वविद्यालय के वर्तमान नाम का बहुत बड़ा ऐतिहासिक महत्व है ।